RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 207
दि. 28.11.2025,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हैदराबाद में स्काईरूट इन्फिनिटी कैंपस का उद्घाटन किया

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हैदराबाद, तेलंगाना में स्काईरूट इन्फिनिटी कैंपस का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश अंतरिक्ष क्षेत्र में एक अभूतपूर्व अवसर का साक्षी बन रहा है। श्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि निजी क्षेत्र की बढ़ती लोकप्रियता के साथ भारत का अंतरिक्ष इको-सिस्टम एक बड़ी छलांग लगा रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्काईरूट इन्फिनिटी कैंपस भारत की नई सोच, नवाचार और युवा शक्ति को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं का नवाचार, जोखिम उठाने की क्षमता और उद्यमशीलता नई ऊंचाइयों को छू रही है। श्री मोदी ने कहा कि आज का कार्यक्रम इस बात का प्रतिबिंब है कि आने वाले समय में भारत वैश्विक उपग्रह प्रक्षेपण इको-सिस्टम में कैसे एक अग्रणी के रूप में उभरेगा। उन्होंने श्री पवन कुमार चंदना और श्री नागा भरत डाका को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ये दोनों युवा उद्यमी देश भर के अनगिनत युवा अंतरिक्ष उद्यमियों के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों ने खुद पर भरोसा रखा, जोखिम लेने से पीछे नहीं हटे और उसके परिणामस्वरूप आज पूरा देश उनकी सफलता का गवाह बन रहा है और देश उन पर गर्व महसूस कर रहा है।

श्री मोदी ने इस बात का जिक्र किया कि भारत की अंतरिक्ष यात्रा सीमित संसाधनों के साथ शुरू हुई थी, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि देश की महत्वाकांक्षाएं कभी सीमित नहीं रहीं। उन्होंने कहा कि साइकिल पर रॉकेट के पुर्जे ढोने से लेकर दुनिया के सबसे विश्वसनीय प्रक्षेपण यान विकसित करने तक, भारत ने साबित कर दिया है कि सपनों की ऊंचाई संसाधनों से नहीं, बल्कि दृढ़ संकल्प से तय होती है। प्रधानमंत्री ने कहा, "इसरो ने दशकों से भारत की अंतरिक्ष यात्रा को नए पंख दिए हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया है कि विश्वसनीयता, क्षमता और मूल्य ने इस क्षेत्र में भारत की विशिष्ट पहचान स्थापित की है।"

बदलते समय के बारे में चर्चा करते हुए, श्री मोदी ने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र का विस्तार स्पष्ट है, क्योंकि यह संचार, कृषि, समुद्री निगरानी, शहरी

योजना, मौसम पूर्वानुमान और राष्ट्रीय सुरक्षा का आधार बन गया है। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में ऐतिहासिक सुधार किए गए, सरकार ने इसे निजी नवाचार के लिए खोल दिया और एक नई अंतरिक्ष नीति तैयार की। श्री मोदी ने यह भी कहा कि स्टार्टअप उद्यमों और उद्योगों को नवाचार से जोड़ने के प्रयास किए गए और स्टार्टअप उद्यमों को इसरो की सुविधाएं और तकनीक प्रदान करने के लिए इन-स्पेस की स्थापना की गई। प्रधानमंत्री ने कहा, "केवल पिछले छह-सात वर्षों में, भारत ने अपने अंतरिक्ष क्षेत्र को एक खुले, सहकारी और नवाचार-संचालित इको-सिस्टम में बदल दिया है।" उन्होंने कहा कि आज का कार्यक्रम इसी परिवर्तन का प्रतिबिंब है।

इस बात पर जोर देते हुए कि भारत के युवा हमेशा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हैं और हर अवसर का सर्वोत्तम इस्तेमाल करते हैं, श्री मोदी ने कहा कि जब सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र को खोला, तो देश के युवा, विशेषकर जेन-जी पीढ़ी, इसका पूरा लाभ उठाने के लिए आगे आए। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि आज 300 से अधिक अंतरिक्ष स्टार्टअप भारत के अंतरिक्ष भविष्य को नई उम्मीदें दे रहे हैं। इसके बाद उन्होंने कहा कि इनमें से अधिकतर स्टार्टअप छोटी टीमों, कभी दो लोग, कभी पांच लोग, कभी एक छोटे से किराए के कमरे में, सीमित संसाधनों के साथ, लेकिन नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के दृढ़ संकल्प के साथ शुरू हुए थे। प्रधानमंत्री ने ध्यान दिलाते हुए कहा, "इसी भावना ने भारत में निजी अंतरिक्ष क्रांति को जन्म दिया है।" उन्होंने कहा कि जेन-जी इंजीनियर, डिजाइनर, कोडर और वैज्ञानिक नई तकनीकों का निर्माण कर रहे हैं, चाहे वह प्रोपल्शन प्रणाली हो, मिश्रित सामग्री हो, रॉकेट चरण हों या उपग्रह प्लेटफॉर्म हों। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत के युवा ऐसे क्षेत्रों में काम कर रहे हैं जिनकी कुछ साल पहले तक कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। उन्होंने कहा कि भारत की निजी अंतरिक्ष प्रतिभा दुनिया भर में एक अलग पहचान बना रही है। उन्होंने यह भी कहा कि आज, वैश्विक निवेशकों के लिए, भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र एक आकर्षक गंतव्य बन रहा है।

दुनिया भर में छोटे उपग्रहों की मांग लगातार बढ़ रही है और प्रक्षेपणों की संख्या में भी वृद्धि हो रही है, इस पर जोर देते हुए श्री मोदी ने कहा कि नई कंपनियां उपग्रह सेवाएं प्रदान करने के लिए इस क्षेत्र में प्रवेश कर रही हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अंतरिक्ष अब एक रणनीतिक परिसंपत्ति के रूप में स्थापित हो चुका है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था कई गुना बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि यह भारत के युवाओं के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण अवसर है।

प्रधानमंत्री ने कहा, "भारत के पास अंतरिक्ष क्षेत्र में ऐसी क्षमताएं हैं जो दुनिया के कुछ ही देशों के पास हैं। इसमें विशेषज्ञ इंजीनियरों की मौजूदगी, उच्च-गुणवत्ता वाला विनिर्माण तंत्र, विश्व-स्तरीय प्रक्षेपण स्थल और नवाचार को प्रोत्साहित करने वाली मानसिकता शामिल है।" उन्होंने कहा कि भारत की अंतरिक्ष क्षमता किफायती और विश्वसनीय दोनों है, यही वजह है कि दुनिया को हमारे देश से बहुत उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक कंपनियां भारत में उपग्रहों का निर्माण करना चाहती हैं, भारत से प्रक्षेपण सेवाएं प्राप्त करना चाहती हैं और भारत के साथ तकनीकी साझेदारी करना चाहती हैं, इसलिए इस अवसर का भरपूर लाभ उठाने पर हमारा ध्यान केंद्रित होना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में हो रहे बदलाव भारत में हो रही व्यापक स्टार्टअप क्रांति का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में, फिनटेक, एग्रीटेक, हेल्थटेक, क्लाइमेटटेक, एडुटेक और डिफेंसटेक जैसे विविध क्षेत्रों में स्टार्टअप उद्योगों की एक नई लहर उभरी है, जिसमें भारत के युवा, विशेषकर जेन-जेड पीढ़ी, हर क्षेत्र में अभिनव समाधान प्रदान कर रहे हैं। भारत की जेन-जेड पीढ़ी की सराहना करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी रचनात्मकता, सकारात्मक मानसिकता और क्षमता निर्माण क्षमताएं दुनिया की जेन-जेड पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत हो सकती हैं। श्री मोदी ने कहा कि भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इको-सिस्टम बन गया है। उन्होंने कहा कि एक समय था जब स्टार्टअप कुछ बड़े शहरों तक ही सीमित थे,

राष्ट्रपति ने ओडिशा विधानसभा के सदस्यों को संबोधित किया

(जीएनएस)।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज (27 नवंबर, 2025) ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में विधानसभा के सदस्यों को संबोधित किया।

ओडिशा विधानसभा के सदस्यों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति की पुरानी यादें ताजा हो गईं। राष्ट्रपति ने कहा कि कई वर्षों के बाद, इस जगह की पुरानी यादें ताजा हो गई हैं जहां उन्होंने एक विधायक के रूप में इस सदन में कई प्रश्न पूछे थे और एक मंत्री के रूप में विधायकों के प्रश्नों के उत्तर दिए थे।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि ओडिशा ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम एवं राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस भूमि ने चंद्रशोक को धर्मशोक के रूप में परिवर्तन होते देखा है। उन्होंने आगे कहा कि ओडिशा के जनजातीय समुदायों ने विदेशी शासन के विरुद्ध संघर्ष करके देश में एक मिसाल कायम की है।

राष्ट्रपति ने इस बात पर बल दिया कि ओडिशा में महिला सशक्तिकरण

की एक प्राचीन परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि यह बहुत गर्व की बात है कि राज्य विधानसभा में महिला प्रतिनिधित्व का एक लंबा इतिहास रहा है। उन्होंने कहा कि आजादी से पहले और बाद में, राज्य में कोई भी ऐसी विधानसभा नहीं रही है जहां महिलाओं को प्रतिनिधित्व न प्राप्त हुआ हो। उन्होंने कहा कि ओडिशा की महिलाओं ने विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करके देश का नाम रौशन किया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि ओडिशा विधानसभा ने अनेक जन कल्याणकारी कानून पारित किए हैं। उन्हें यह जानकर खुशी महसूस हुई कि राज्य की 17वीं विधानसभा ने बहुत ही कम समय में कई सार्थक बैठकें आयोजित की हैं। उन्होंने कहा कि इस विधानसभा में संवाद की एक स्वस्थ परंपरा रही है।

राष्ट्रपति ने कहा कि ओडिशा तेजी से विकास कर रहा है। उन्होंने ओडिशा सरकार की सराहना करते हुए कहा कि कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, जनजाति एवं अन्य वंचित वर्गों के विकास, आवास, आपदा प्रबंधन आदि क्षेत्रों में कई नई पहलें हुई हैं।

बीएलएस इंटर कॉलेज, ठाकुरगंज, लखनऊ एनुअल स्पोर्ट्स फेस्ट 2025 एवं गोल्डन जुबिली सेलिब्रेशन का भव्य शुभारंभ

एलआर

लखनऊ। BLS इंटर कॉलेज, ठाकुरगंज में गुरुवार को चौक स्टेडियम में आयोजित एनुअल स्पोर्ट्स फेस्ट 2025 तथा गोल्डन जुबिली सेलिब्रेशन का शुभारंभ मुख्य अतिथि माननीय डॉ. दिनेश शर्मा (पूर्व उपमुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश एवं राज्यसभा सांसद) ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत परेड मार्च-पास्ट से हुई, जिसने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। चारों हाउस—Hope Blasters, Unity Warriors, Peace Royals और Love Challengers की आकर्षक परेड आज के समारोह का मुख्य आकर्षण रही। विद्यालय के संस्थापक स्व. गंगा प्रसाद साहू को याद करते हुए मंच ने दो मिनट का मौन रखा। वर्ष 1975 में स्थापित इस विद्यालय ने 50 वर्षों की उत्कृष्ट शैक्षणिक यात्रा तय की है और आज उसी स्वर्णिम सफर के उपलक्ष्य में Golden Jubilee Year मनाया जा रहा है। मुख्य अतिथि डॉ. दिनेश शर्मा ने विद्यार्थियों से भेंट की, कोच व मेंटर्स से संवाद किया और खेल को जीवन की शिक्षा बताते हुए कहा कि 'मैदान में सीखे गए संस्कार जीवन की हर परीक्षा में काम आते हैं। खेल मन, मस्तिष्क और आत्मविश्वास को नई उड़ान देते हैं।' विद्यालय के मैनेजर संदीप साहू ने कहा कि 'हमारे संस्थापक स्वर्गीय बड़े सर के सपने को आगे बढ़ाते हुए विद्यालय प्रत्येक छात्र को उत्तम शिक्षा, अनुशासन और खेल संस्कृति प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।' आज के दिन के दौरान दो रोमांचक क्रिकेट मैच खेले गए। पहले मुकाबले में Peace Royals और Love Challengers के बीच बेहतरीन संघर्ष देखने को मिला, वहीं दूसरे मैच में Hope Blasters ने शानदार प्रदर्शन करते हुए Unity Warriors को हराया। दोनों मैचों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को Man of the Match घोषित किया गया। कार्यक्रम में निर्देशक प्रदीप साहू,पार्षद अनुराग मिश्रा, पार्षद मनीष रस्तोगी, वरिष्ठ समाजसेवी शैलेश टंडन, शालू, संकेत मिश्रा,प्रधानाचार्य रवि किशोर, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, अभिभावक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

लखनऊ में लुलु ब्यूटी फेस्ट 2025 का भव्य शुभारम्भ किया गया

एलआर

लखनऊ लुलु हाइपरमार्केट लखनऊ में लुलु ब्यूटी फेस्ट 2025 का भव्य शुभारम्भ अत्यंत उत्साहपूर्ण माहौल के बीच हो चुका है। इसका शुभारम्भ लखनऊ की फेमस मेकअप आर्टिस्ट हिमाद्री वर्मा जी ने किया। आरम्भ हुआ यह विशेष सौंदर्य उत्सव अपने पहले ही दिन से शहर के ग्राहकों, सौंदर्य प्रेमियों और फैशन के शौकीनों को आकर्षित कर रहा है। फियामा और एंगेज द्वारा प्रस्तुत यह उत्सव सौंदर्य जगत के नवीनतम रुझानों, उत्पादों और अनुभवों को एक ही छत के नीचे लाने का उत्कृष्ट प्रयास है।उत्सव में इस वर्ष कई प्रमुख और विश्वसनीय सौंदर्य एवं

पर्सनल केयर ब्रांड अपनी विस्तृत उत्पाद श्रृंखला के साथ शामिल हुए हैं। इनमें फियामा, एंगेज, यार्डले, ल्लिूँल्लड्ढी४१, विवेल, पॉन्ड्स, ट्रेसमे, द डर्मा, गार्नियर, लोरियल पेरिस, निविया, पेरिस कॉर्नर, जोवीज हर्बल और वॉव जैसे लोकप्रिय नाम प्रमुख हैं। उत्सव की शुरूआत के साथ ही इन ब्रांडों के नवीनतम उत्पाद, विशेष ऑफर और आकर्षक प्रस्तुतियाँ ग्राहकों की पहली पसंद बन गई हैं, जिससे उत्सव में लगातार भीड़ बढ़ रही है।26 नवंबर को आरम्भ हुआ ये फेस्ट 7 दिसंबर तक चलेगा जिसमे ग्राहको को उचित दामों पर ब्रांडेड ब्यूटी प्रोडक्ट के साथ - साथ कस्टमर इंगेजमेंट एक्टिविटीज में विभिन्न प्रकार के गिफ्ट वाउचर जितने का अवसर भी प्राप्त होगा` इस मौके पर श्री नोमान अजीज खान रीजनल डायरेक्टर उत्तर प्रदेश, दिल्ली, तेलंगना और श्री सुनील कुमार शर्मा जनरल मैनेजर लुलु हायपरमार्केट के साथ सभी वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे

मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ के डॉक्टरों की दुर्लभ बाइल डक्ट स्टोन सर्जरी से दिल्ली के युवक को मिला नया जीवन

एलआर

लखनऊ, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ के डॉक्टरों ने हेपेटोलिथाइसिस के एक असामान्य और अत्यंत जटिल मामले का सफल उपचार कर एक बेहतरीन चिकित्सकीय उपलब्धि हासिल की है। हेपेटोलिथाइसिस एक ऐसी स्थिति है जिसमें लिवर की छोटी पित्त की नलियों के अंदर गहराई में पथरी बन जाती है। दिल्ली निवासी 27 वर्षीय मरीज, ऋषभ सिंह लगातार और परेशान करने वाले लक्षणों जैसे बार-बार तेज बुखार, पीलिया, पेट में दर्द और तेजी से वजन घटने जैसी समस्याओं के साथ मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ पहुंचे। शुरूआती जांच से पता चला कि वह बार-बार होने वाली पायोजेनिक कोलेंजाइटिस से पीड़ित थे, एक ऐसी पुरानी बीमारी जिसमें पित्त की नलिओं में बार-बार संक्रमण और सूजन होती है, जो समय रहते इलाज न मिलने पर पथरी बनने और गंभीर जटिलताओं का कारण बन सकती है। युवाओं में हेपेटोलिथाइसिस के साथ बार-बार होने वाली पायोजेनिक कोलेंजाइटिस का मिलना

बहुत असामान्य है और लिवर के अंदर गहराई में स्थित पथरियों के साथ सक्रिय संक्रमण होने से इस मामले की जटिलता अधिक हो जाती है। मरीज ने इससे पहले एक अन्य अस्पताल में इलाज के लिए प्रोसीजर करवाया था पर वह सफल नहीं हुआ। इसके बाद उनकी सेहत लगातार खराब होती रही और वजन भी घटता रहा। इस मामले में, मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ में हेपेटो-पैंक्रिएटो-बिलियरी एवं लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी के निदेशक, डॉ. वलीउल्लाह सिद्दीकी ने कहा, 'जब ऋषभ हमारे पास आए, वह पहले से ही लगातार वजन घटने और बार-बार होने वाले संक्रमणों का सामना कर रहे थे। गहराई से की गई जाँच में बार-बार होने वाले पायोजेनिक कोलेंजाइटिस के साथ लिवर में कई पथरियां पाई गईं। चुनौती गम्भीर थी, जिसे संभालने के लिए अत्यंत सावधानीपूर्वक और मल्टीडिसिप्लिनरी टीम अप्रोच की आवश्यकता थी।' इलाज के लिए, सर्जिकल टीम ने एक जटिल लिवर सर्जरी की, जिसमें लिवर के बाएं हिस्से को (जहां कई पथरियां थीं) हटाया गया, लिवर के बाहर की क्षतिग्रस्त पित्त नली को निकालकर उसके दाहिने हिस्से और आंत के बीच एक नया जोड़ बनाया गया, ताकि पित्त का बहाव सामान्य रूप से हो सके। डॉ. सिद्दीकी ने आगे कहा कि सर्जरी तकनीकी रूप से बहुत जटिल थी, लेकिन ऋषभ ने असाधारण रूप से अच्छा रिस्पॉन्स दिया। उनकी रिकवरी सहज रही और उन्हें ऑपरेशन के आठवें दिन छुट्टी दे दी गई। एक महीने के फॉलोअप में उनकी स्थिति में बढ़िया सुधार दिखा, लक्षण पूरी तरह खत्म हो गए और वह सामान्य रिकवरी पैरामीटर पर लौट आए। इस सफल नतीजे के लिए मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ की असामान्य और जटिल हेपेटोबिलियरी स्थितियों को संभालने की क्षमता, अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और बेहतरीन मल्टीडिसिप्लिनरी टीम ज़िम्मेदार है।

सम्पादकीय

एसआईआर के दौरान बीएलओ की मौतें चिंताजनक

देश के 12 राज्यों और वेंद्र शासित प्रादेशों में जारी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के बीच बूथ लेवल अफसरों (बीएलओ) की मौत चिता का कारण बन गई है। मध्य प्रादेश में 24 घंटों में 2 बीएलओ की मौत हो गई है। वहीं पिछले 4 दिनों में भोपाल के 50 से ज्यादा बीएलओ बीमार पड़े हैं। इनमें दो को हार्ट अटैक और एक को ब्रेन हैमरेज हुआ है। दूसरी ओर पमि बंगाल में एक महिला बीएलओ ने तो आत्महत्या ही कर ली। परिजनों ने ज्यादा काम के दबाव को मौत का कारण बताया। एसआईआर 4 नवम्बर को शुरू हुआ। तब से अब तक यानि 19 दिनों में 6 राज्यों में 16 लोगों की मौत हो गई है। गुजरात व मध्य प्रादेश में 4-4, पश्चिम बंगाल में 3, राजस्थान में 2, केरल व तमिलनाडु में 1-1 की जान गई है। पमि बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनजा ने इन मौतों के लिए वेंद्र सरकार, चुनाव आयोग और भाजपा को जिम्मेदार ठहराया है। ममता बनजा ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर एसआईआर को अव्यावहारिक बताते हुए इसे तुरन्त रोकने की मांग की है। कांग्रोस नेता व लोकसभा में नेता प्रातिपक्ष राहुल गांधी ने भी एक्स पर पोस्ट कर इस मुद्दे को उठाया है। उन्होंने लिखा : एसआईआर के नाम पर देशभर में अफरा-तफरी मचा रखी है— नतीजा? तीन सालों में 16 बीएलओ की जान चली गई। हार्ट अटैक, तनाव, आत्महत्या एसआईआर में कोई सुधार नहीं। थोपा गया जुल्म है। उन्होंने आरोप लगाया, ईसीआई ने ऐसा सिस्टम बनाया है जिसमें नागरिक को खुद को तलाशने के लिए 22 साल पुरानी मतदाता सूची के हजारों स्वैन पन्नों को पलटना पड़े, मकसद साफ है——सही मतदाता हारकर थक कर बैठ जाए और वोट चोरी बिना रोक-टोक जारी रहे। दूसरी ओर भाजपा ने इन मौतों के लिए तृणमूल कांग्रोस को ही जिम्मेदार ठहराया है। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के मुख्यालय वृष्णा नगर में बीएलओ के तौर पर काम करने वाली रिवू नामक महिला शिक्षक ने शनिवार को आत्महत्या कर ली। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शव के पास बरामद एक सुसाइड नोट में रिवू ने अपनी मौत के लिए चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहराया है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज वुमार अग्रावाल ने इस घटना का संज्ञान लेते हुए जिला चुनाव अधिकारी से रिपोर्ट मांगी है। पुलिस के मुताबिक रिवू ने अपने सुसाइड नोट में लिखा है कि उन्होंने 95 फीसदी ऑफलाइन काम पूरा कर लिया है, लेकिन ऑनलाइन के बारे में उनको कोई जानकारी नहीं है। सुपरवाइजर को इस बारे में बताने से भी कोई फायदा नहीं हुआ। इससे वुछ दिन पहले बर्धमान जिले के मेचारी में भी काम के कथित दबाव के कारण ब्रेन स्ट्रोक की वजह से नमिता हासंदा नाम का एक बीएलओ की मौत हो गई थी। मुख्यमंत्री ममता बनजा ने इन घटनाओं पर दुख जताते हुए सवाल किया कि आखिर एसआईआर और कितने लोगों की जान लेगी? दूसरी ओर भाजपा और सीपीएम ने इन घटनाओं पर कहा था कि इनके लिए तृणमूल कांग्रोस खुद जिम्मेदार है। सीपीएम नेता और पाटा के वेंद्रीय समिति के सदस्य सुजन चव्रवता का सवाल है कि आखिर काम के दौरान बीएलओ को जान क्यों गंवानी पड़ रही है? उनका कहना था चुनाव आयोग अपनी जिम्मेदारी से इंकार नहीं कर सकता। साथ ही राज्य सरकार को भी बीएलओ की मदद करनी चाहिए थी। लेकिन सत्तारूढ़ पाटा और भाजपा इस प्राव्रिया का राजनीतिक फायदा उठाने में जुटी है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि राज्य में बीएलओ की मौतों और बीमारियों ने तृणमूल कांग्रोस को चुनाव आयोग और भाजपा के खिलाफ एक मजबूत हथियार दे दिया है। यही वजह है कि मुख्यमंत्री और पाटा प्रामुख ममता बनजा इस मुद्दे पर लगातार दबाव बढ़ा रही हैं। राजनीतिक हानि-लाभ को एक तरफ रखें और इस दुखद मुद्दे पर विचार करें तो चुनाव आयोग को इसका संज्ञान लेना चाहिए और इस दबाव के कारण आत्महत्या तक करने पर मजबूर होने की प्राव्रिया में सुधार लाना चाहिए या तो वह बीएलओ की संख्या बढ़ाएं या फिर लक्ष्य पूरा करने के लिए समय सीमा बढ़ाएं? चुनाव आयोग को अविलंब एक्शन लेना होगा नहीं तो इन निदरेषों की हत्या का दाग उस पर लगेगा।

कच्छ-सौराष्ट्र के कच्छी छुहारे और केसर आम से लेकर हस्तकला तथा हाथबुनाई काम के 10 से अधिक उत्पादों ने प्राप्त किया है जीआई टैग

गांधीनगर, 27 नवंबर : भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सदैव देश के स्थानीय एवं वंश-परंपरागत उत्पादों पर ध्यान केन्द्रित किया है। स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन देकर स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री ने 'वोकल फॉर लोकल' अभियान की शुरूआत की है। उन्होंने 'वोकल फॉर लोकल' तथा 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के अंतर्गत जियोग्राफिकल इंडिकेशन (जीआई) टैग वाले उत्पादों को सक्रिय प्रोत्साहन दिया है और इन उत्पादों को सांस्कृतिक विरासत, आर्थिक सशक्तिकरण तथा वैश्विक मान्यता के साथ जोड़ा है। उन्होंने अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में भी बार-बार इन उत्पादों का उल्लेख किया है तथा कारीगरों को व्यक्तिगत रूप से जीआई सर्टिफिकेट प्रदान किए हैं।

उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने 'विकास भी, विरासत भी' के विजन के साथ 2030 तक भारत में 10,000 जीआई (भौगोलिक संकेत) टैग वाले उत्पादों तक पहुँचने का लक्ष्य रखा है। जीआई टैगिंग जैसी पहल द्वारा राज्य के कारीगरों तथा किसानों को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए गुजरात कच्छ के विख्यात कपड़े से लेकर सौराष्ट्र के प्रीमियम उत्पादों तक की अपनी विरासत को प्रमोट कर रहा है, जिससे राज्य वैश्विक स्तर पर आत्मनिर्भर बने। जीआई उत्पादों का संरक्षण तथा उनका प्रमोशन 'विकसित गुजरात से विकसित भारत' के सिद्धांत पर बल देता है, जो स्थानीय क्षमताओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता में परिवर्तित करता है।

कच्छ तथा सौराष्ट्र क्षेत्र ने अजरख, बांधणी (बंधेज), रोगन क्राफ्ट पेंटिंग, कच्छी शॉल, कच्छी छुहारा और केसर आम जैसे विख्यात उत्पादों के लिए जीआई टैग प्राप्त किए हैं, जो स्थानीय कारीगरों का विकास करते हैं और उन्हें वैश्विक पहचान देते हैं। राजकोट में आयोजित होने वाली आगामी वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (वीजीआरसी) कच्छ-सौराष्ट्र के हस्तकला तथा हाथबुनाई कारीगरों की स्थानीय श्रेष्ठता एवं निर्यात संभावना को उजागर करने के लिए सज्ज है।

परंपरा तथा कलात्मकता से समृद्ध, गुजरात के कच्छ तथा सौराष्ट्र प्रदेशों ने उनकी सांस्कृतिक एवं कृषि विरासत को प्रस्तुत करने वाले उत्पादों के लिए 10 से अधिक जीआई मान्यताएँ प्राप्त की हैं। कच्छ के विख्यात उत्पादों में भरतकाम (कशीदाकारी), अजरख, ब्लॉक प्रिंटिंग, बांधणी टाई-डाई, रोगन क्राफ्ट पेंटिंग तथा कच्छी शॉल शामिल हैं। इसके अलावा; कृषि उत्पादों की बात करें, तो कच्छी छुहारे को भी जीआई टैग दिया गया है, जो उसके अद्भुत स्वाद एवं पोषक तत्वों से भरपूर गुणवत्ता के लिए विख्यात है। सौराष्ट्र के विशिष्ट उत्पादों में गीर का केसर आम, जो गीर प्रदेश में 'आम की रानी' के रूप में व्यापक रूप से जाना जाता है, जामनगरी बांधणी तथा राजकोट पटोळा रेशम बुनाई शामिल हैं। ये जामनगरी बांधणी तथा राजकोट की साड़ियाँ कई बॉलीवुड हस्तियों के वॉर्डरोब में भी स्थान पा चुकी हैं। इतना ही नहीं; सुरेन्द्रनगर की टांगलिया शॉल भी उसकी विशिष्ट वस्त्र कला का नमूना है, जिसने कला के उत्साहियों को आकर्षित किया है तथा एक वैश्विक मांग खड़ी की है।

सौराष्ट्र तथा कच्छ क्षेत्र में आयोजित होने वाली वीजीआरसी इस क्षेत्र की हस्तकला तथा हाथबुनाई कारीगरों की क्षमता को वेग देगी। यह दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस हेरिटेज क्षेत्र के उद्यमियों, कारीगरों, इंटीरियर डिजाइनर्स तथा प्रोडक्ट डिजाइनर्स के लिए सरकारी ई-मार्केटप्लेस, निवेशकों, निजी उद्यमों तथा अग्रणी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के साथ सहयोग करने के लिए एक गतिशील प्लेटफॉर्म के रूप में सेवा देती है, जो नवीनीकरण, बाजार पहुँच तथा टिकाऊ विकास को प्रोत्साहन देता है।

किसकी लगी करोड़ों में बोली और कौन रह गया अनसोल्ड? लिस्ट में कई हैरान करने वाले नाम!

(जीएनएस)।

महिला प्रीमियर लीग (हढछ 2026) का मिनी-ऑक्शन अब तक कई उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। टीमों ने अपनी रणनीतिक जरूरतों को पूरा करने के लिए खिलाड़ियों पर जमकर बोली लगाई। इस नीलामी में सबसे बड़ी खबर भारत की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा से जुड़ी रही, जिन्हें यूपी वॉरियर्स ने 3.2 करोड़ की बड़ी कीमत पर खरीदकर उन्हें हढछ इतिहास की संयुक्त रूप से दूसरी सबसे महंगी खिलाड़ी बना दिया।

ऑक्शन में यूपी वॉरियर्स का दबदबा

नीलामी में सबसे अधिक पर्स के साथ उतरी यूपी वॉरियर्स ने अभिषेक नायर के नेतृत्व में जबरदस्त खरीदारी की। दीप्ति शर्मा के अलावा यूपी ने किरण नवगिरे और इंग्लिश स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन को वापस टीम में लाने के लिए सफलतापूर्वक 'राइट-टू-मैच' कार्ड का इस्तेमाल किया। यूपी वॉरियर्स ने अपनी बल्लेबाजी को मजबूती देते हुए तीन बार की फाइनलिस्ट कप्तान मेग लैनिंग को 1.9 करोड़ में खरीदा। टीम ने सोफी डिवाइन (2 करोड़), रेणुका सिंह (60 लाख), और युवा प्रतिभा फीबी लिचफील्ड (1.20 करोड़) को भी खरीदकर अपनी टीम को संतुलित बनाया।

हढछ अ४ू३ङ्मल्ल 1

मुंबई और दिल्ली की ऐसी रही खरीदारी

गत चैंपियन मुंबई इंडियंस (टक) ने अपने कोर को मजबूत करने पर ध्यान दिया। मुंबई ने न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर अमेलिया केर पर 3 करोड़ की बड़ी बोली लगाकर उन्हें नीलामी की दूसरी सबसे महंगी खिलाड़ी बनाया। उनके साथ मुंबई ने दक्षिण अफ्रीका की तेज गेंदबाज शबनीम इस्माइल (60 लाख) को भी अपनी टीम में शामिल किया।

वहीं, दिल्ली कैपिटल्स ने रिलीज की गई श्री चरानी को वापस खरीदा और कप्तान मेग लैनिंग के जाने के बाद उनकी जगह दक्षिण अफ्रीका की विस्फोटक सलामी बल्लेबाज लॉरा वोलवार्ड्ट (1.1 करोड़) को लिया। दिल्ली ने चिनले हेनरी (1.30 करोड़) और भारतीय स्पिन ऑलराउंडर स्नेह राणा (50 लाख) को भी खरीदा।

बिके हुए खिलाड़ियों की पूरी लिस्ट

बिके हुए खिलाड़ियों की पूरी लिस्ट

एमिली केर, मुंबई इंडियंस – ₹3 करोड़

शबनीम इस्माइल, मुंबई इंडियंस – ₹60 लाख

संस्कृति गुप्ता, मुंबई इंडियंस – ₹20 लाख

लौरा वोल्वार्ड्ट, दिल्ली कैपिटल्स – ₹1.1 करोड़

चिनेल हेनरी, दिल्ली कैपिटल्स – ₹1.30 करोड़

श्री चरणी, दिल्ली कैपिटल्स – ₹1.30 करोड़

स्नेह राणा, दिल्ली कैपिटल्स – ₹50 लाख

लिजेल ली, दिल्ली कैपिटल्स – ₹30 लाख

दीया यादव, दिल्ली कैपिटल्स – ₹10 लाख

दीप्ति शर्मा, वढ वॉरियर्स – ₹3.2 करोड़

सोफी एक्लेस्टोन, वढ वॉरियर्स – ₹85 लाख

मेग लैनिंग, वढ वॉरियर्स – ₹1.9 करोड़

फोबे लिचफील्ड, वढ वॉरियर्स – ₹1.20 करोड़

किरण नवगिरे, वढ वॉरियर्स – ₹60 लाख

हरलीन देओल, वढ वॉरियर्स – ₹50 लाख

क्रांति गौड़, वढ वॉरियर्स – ₹50 लाख

आशा सोभना, वढ वॉरियर्स – ₹1.1 करोड़

सोफी डिवाइन, वढ वॉरियर्स – ₹2 करोड़

रेणुका सिंह, वढ वॉरियर्स – ₹60 लाख

भारती फुलमाली, वढ वॉरियर्स – ₹70 लाख

टिटस साधु, वढ वॉरियर्स – ₹30 लाख

जॉर्जिया वोल, वढ वॉरियर्स – ₹60 लाख

नादिन डी क्लर्क, वढ वॉरियर्स – ₹65 लाख

राधा यादव, वढ वॉरियर्स – ₹65 लाख

लॉरेन बेल, वढ वॉरियर्स – ₹90 लाख

लिंसे स्मिथ, वढ वॉरियर्स – ₹30 लाख

प्रेमा रावत, वढ वॉरियर्स – ₹20 लाख

फ्रीङ्मल्लीि ऋङ्म१ ङ्म४

‹२३१ङ्मल्ल›ऑक्शन के बीच हढछ 2026 का शेड्यूल जारी, इस दिन शुरू होगा टूनार्मेंट, फिर होगी चौके-छक्कों की बारि‹/२३१ङ्मल्ल›श!

ऑक्शन के बीच हढछ 2026 का शेड्यूल जारी, इस दिन शुरू होगा टूनार्मेंट, फिर होगी चौके-छक्कों की बारिश!

बिना बिके खिलाड़ियों की पूरी लिस्ट

50 हजार रुपये में फॉरेन ट्रिप, कौन-से देश हैं सबसे किफायती?

(जीएनएस)।

विदेश घूमने का सपना लगभग हर किसी का होता है, लेकिन बजट देखकर कई लोग अपना प्लान टाल देते हैं। सच यह है कि भारत के पास ऐसे कई देश हैं जहां आप उतने ही पैसे में विदेश यात्रा का मजा ले सकते हैं, जितने में देश के भीतर किसी बड़े शहर की ट्रिप होती है। इन जगहों की खास बात यह है कि यहां तक पहुंचना आसान है। फ्लाइट टिकट महंगे नहीं होते, रोजाना का खर्च कम आता है और रहने-खाने के भी किफायती विकल्प मिल जाते हैं।

यही कारण है कि नेपाल की शांत पहाड़ियां, भूटान का सुकून, थाईलैंड का समुद्री रोमांच, श्रीलंका के चाय बागान, वियतनाम की पुरानी गलियां, मलेशिया के आधुनिक शहर और लाओस का प्राकृतिक माहौल भारतीय यात्रियों के लिए शानदार और सस्ती छुट्टी का नया विकल्प बन गए हैं। कम समय में ज्यादा मजा लेने का ट्रेंड बढ़ रहा है और ऐसे में ये नजदीकी देश कम बजट में बेहतरीन विदेशी अनुभव देते हैं।

नेपाल

भारत के सबसे नजदीक बसे नेपाल में बिना वीजा प्रवेश मिल जाने से खर्च और भी कम हो जाता है। काठमांडू के पुराने मंदिर, भीड़भाड़ वाले बाजार और पोखरा की झीलों का सुकून कम पैसे में मिल जाता है। यहां रहने और खाने का खर्च काफी कम है, इसलिए बजट ट्रिप आराम से बन जाती है।

थाईलैंड

थाईलैंड भारतीय यात्रियों के बीच लगातार लोकप्रिय है। बैंकॉक का रंगीन माहौल, फुकेत के शांत समुद्र तट और सस्ता स्ट्रीट फूड इसे और भी अच्छा विकल्प बनाते हैं। यहां अक्सर कम दाम में फ्लाइट टिकट मिल जाते हैं और वीजा-ऑन-अराइवल की सुविधा भी पैसे बचाती है। समझदारी से होटल चुनें तो पूरी यात्रा 50,000 रुपये के अंदर हो जाती है।

भूटान

भूटान में कदम रखते ही शांति का अलग ही अहसास होता है। यहां ऊंचे पहाड़, रंगीन मठ और शांत घाटियां देखने को मिलती हैं। भारतीय नागरिक बिना वीजा यहां जा सकते हैं। अगर आप लोकल बसों से सफर करें और गेस्टहाउस में रुकें, तो यह ट्रिप कम पैसे में पूरा हो जाता है।

लाओस

लाओस भी बजट यात्रियों की पसंद बन रहा है। यहां नदी, झरने, जंगल और पुराने मंदिर काफी आकर्षित करते हैं। यहां का रोजाना का खर्च बहुत कम है, इसलिए 50,000 रुपये के अंदर घूमना मुश्किल नहीं होता। शांत माहौल चाहने वालों के लिए यह सबसे अच्छी जगह है।

श्रीलंका

भारत के पास बसे श्रीलंका में समुद्र तट, चाय बागान, किले और स्थानीय बाजार सब कुछ एक साथ देखने को मिलता है। यहां रहने, खाने और घूमने का खर्च काफी कम है।

जिला स्तरीय गीता महोत्सव का आयोजन 1 दिसंबर को

संस्कृत के प्रचार-प्रसार और संवर्धन के लिए मुख्यमंत्री के नेतृत्व में शुरू की गई 'योजना पंचकम्'

राज्य के 34 स्थानों पर प्रतिभागी गीता के श्लोक और संस्कृति सुभाषितों का पारायण करेंगे, भगवद् गीता पर व्याख्यान और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का होगा आयोजन

गांधीनगर, 27 नवंबर : राज्य में संस्कृत भाषा और साहित्य के व्यापक प्रचार-प्रसार के माध्यम से प्राचीन भाषा संस्कृत को प्रोत्साहन देने और उसके संवर्धन के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात राज्य संस्कृत बोर्ड ने 'योजना पंचकम्' शुरू की है।

'योजना पंचकम्' में संस्कृत सप्ताह महोत्सव योजना, संस्कृत संवर्धन सहायता योजना, संस्कृत प्रोत्साहन योजना, श्रीमद् भगवद् गीता योजना और शत सुभाषित कंठपाठ योजना का समावेश किया गया है। इनमें से भगवद् गीता योजना और शत सुभाषित कंठ पाठ योजना के तहत प्रतिभागियों को जिला स्तरीय कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा।

1 दिसंबर, 2025 को गीता जयंती के अवसर पर राज्य में जिला स्तर पर 34 स्थानों पर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की ओर से इन योजनाओं के अंतर्गत विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे। इसके अलावा, श्रीमद् भगवद् गीता के अध्याय 12 और 15 का सामूहिक पारायण, लोगों के लिए संस्कृत प्रदर्शनी, भगवद् गीता पर व्याख्यान सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

आगामी समय में राज्य स्तरीय कार्यक्रम के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर संपूर्ण गीता कंठ पाठ योजना की समीक्षा की जाएगी। समीक्षा के दौरान श्रीमद् भगवद् गीता योजना और शत सुभाषित कंठ पाठ योजना में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों के श्लोकों के उच्चारण और कंठ पाठ संबंधित श्लोकों के लय-छंद, उच्चारण की शुद्धता और कंठ पाठ की दक्षता के साथ ही भाव-भक्ति और आत्मविश्वास युक्त प्रस्तुति की समीक्षा की जाती है।

सीमा हैदर पर एसआईआर प्रक्रिया का क्या होगा असर? नोएडा छोड़कर जाना होगा? क्या है निमय– अब वकील ने किया खुलासा

Intensive Revision यानी SIR अभियान ने कई राज्यों के साथ-साथ यूपी में भी हलचल मचा रखी है। लेकिन इस बीच चर्चा उस महिला को लेकर भी है, जिसका मामला पिछले दो साल से देशभर में सुर्खियों में है। नाम है सीमा हैदर। लोग सोशल मीडिया से लेकर लोकल लेवल पर सवाल पूछ रहे हैं कि रक्फ़ का असर क्या सीमा हैदर पर भी पड़ेगा। क्या वह नोएडा छोड़ने पर मजबूर होंगी और क्या यूपी सरकार या उट योगी आदित्यनाथ उनकी किसी तरह मदद कर सकते हैं।

सवाल वाजिब है क्योंकि रक्फ़ प्रक्रिया का मकसद सभी मतदाताओं का डेटा वेरिफाई करना, डुप्लीकेट या संदिग्ध एंट्री हटाना और 2002 की वोटर लिस्ट के आधार पर नागरिकता के दावों की जांच करना है। जबकि सीमा हैदर का पूरा मामला ही नागरिकता और कानूनी स्थिति पर टिका है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि रक्फ़ उनके केस को कितना प्रभावित करेगा।

दैनिक भास्कर की रिपोर्ट के मुताबिक सीमा हैदर के वकील एपी सिंह ने रक्फ़ वेरिफिकेशन को लेकर बड़ा दावा किया है। उनका कहना है कि सीमा का मसला वोटर लिस्ट का नहीं बल्कि 'जीवनदान' का है। एपी सिंह के मुताबिक सीमा रक्फ़ के दायरे से ऊपर हैं क्योंकि यह मामला सीधे मानवीय आधार और राष्ट्रपति के पास लंबित याचिका से जुड़ा है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन में सहयोग नहीं कर रहा है, लेकिन इससे केस पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उनका कहना है कि सीमा कोई जासूस या आतंकी नहीं, बल्कि वह प्रेम के कारण भारत आई हैं। अगर कभी वह आतंकी निकलीं तो "डबल फांसी दे दीजिए।"

इस बयान के बाद यह स्पष्ट हो जाता है कि उनका पक्ष रक्फ़ को सीमा के लिए गैर-चिंताजनक बता रहा है। लेकिन कानून क्या कहता है, यह भी समझना जरूरी है।

साफ शब्दों में कहा जाए तो नहीं। रक्फ़ अभियान सिर्फ मतदाता सूची अपडेट करने और नागरिकता दस्तावेजों की प्राथमिक जांच के लिए है। यह किसी भी व्यक्ति को घर छोड़ने या कहीं और जाने के लिए मजबूर नहीं करता। यह सिर्फ वोटर डेटा का सत्यापन है, न कि पुलिस या केंद्रीय एजेंसियों की नागरिकता जांच।

दूसरी बात सीमा खुद अवैध प्रवेश के केस में जमानत पर हैं और उनका मामला पहले से न्यायिक प्रक्रिया में है। इसलिए रक्फ़ उनके रहने, जाने, आने या लोकेशन को प्रभावित नहीं करता। हालांकि अगर सीमा ने कभी वोटर लिस्ट के लिए आवेदन किया हो, या किसी भारतीय पहचान दस्तावेज में नाम जुड़वाने की कोशिश की हो, तब रक्फ़ में सवाल जरूर उठ सकता है। लेकिन फिलहाल इस तरह का कोई रिकॉर्ड सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आया है।

संयुक्ता शनमुगनाथन ने चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व क्रिकेटर अनिरुद्ध श्रीकांत से शादी कर ली

..

तमिल सिनेमा और बिग बॉस तमिल सीजन 4 की स्टार संयुक्ता शनमुगनाथन ने गुरुवार (27 नवंबर 2025) को चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व क्रिकेटर अनिरुद्ध श्रीकांत से शादी कर ली।

यह दोनों की दूसरी शादी है, जो पारंपरिक हिंदू रीति-रिवाजों के साथ उनके घर पर सादगी भरा समारोह था। शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होते ही फैंस के सवालों का दौर शुरू हो गया – संयुक्ता किस जाति से हैं? उनकी पहली शादी क्यों टूटी? अनिरुद्ध का बैकग्राउंड क्या है? आइए, इन सवालों के जवाब विस्तार से जानते हैं...

संयुक्ता शान की जाति- नायर समुदाय से ताल्लुक

संयुक्ता शनमुगनाथन का जन्म एक मलयाली नायर परिवार में हुआ है। नायर जाति केरल की प्रमुख हिंदू समुदायों में से एक है, जो ऐतिहासिक रूप से क्षत्रिय वर्ग से जुड़ी हुई मानी जाती है। यह समुदाय योद्धा और भूमि मालिक वर्ग के रूप में जाना जाता रहा है और आज भी केरल और तमिलनाडु के मलयाली परिवारों में सम्मानित स्थान रखता है। संयुक्ता के पिता रमन नायर और माता प्रतीभा नायर – दोनों नायर समुदाय से हैं। उनका जन्म 31 दिसंबर 1985 को कोयंबटूर (तमिलनाडु) में मलयाली परिवार में हुआ, हालांकि वे चेन्नई में पली-बढ़ीं। यह शादी भी हिंदू परंपराओं के अनुसार हुई, जो दोनों परिवारों की सांस्कृतिक समानता को दशार्ती है।

अनिरुद्ध श्रीकांत की जाति- तमिल ब्राह्मण परिवार से

अनिरुद्ध श्रीकांत का जन्म 14 अप्रैल 1987 को चेन्नई में एक तमिल ब्राह्मण परिवार में हुआ। उनके पिता, क्रिकेट लेजेंड कृष्णमाचारी श्रीकांत , 1983 वर्ल्ड कप विजेता भारतीय टीम के कप्तान रहे और वे भी तमिल ब्राह्मण समुदाय से हैं। अनिरुद्ध के बड़े भाई आदित्य श्रीकांत भी क्रिकेटर हैं। यह परिवार चेन्नई के मायलापुर इलाके से जुड़ा है, जहां ब्राह्मण संस्कृति गहरी जड़ें रखती है।

अनिरुद्ध की पहली शादी मॉडल आरती वेंकटेश से 2012 में हुई थी, जो दो साल बाद 2014 में तलाक में खत्म हो गई। तलाक की सटीक वजह सार्वजनिक रूप से स्पष्ट नहीं है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह वैवाहिक असहमति के कारण हुआ। कोई बच्चे नहीं हैं।

संयुक्ता की पहली शादी क्यों टूटी? पति के अफेयर ने तोड़ा विश्वास

संयुक्ता की पहली शादी टेक उद्यमी कार्तिक शंकर से हुई थी, जिससे उनका एक बेटा रेयान है। यह रिश्ता 2025 की शुरूआत में तलाक के साथ खत्म हो गया। संयुक्ता ने खुद खुलासा किया कि कोविड महामारी के दौरान उन्हें पता चला कि उनके पति पिछले चार साल से किसी अन्य महिला के साथ रिश्ते में थे। इस धोखे ने उन्हें गहरा आघात पहुंचाया। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, 'यह जानने के बाद लगा जैसे मेरी पूरी जिंदगी एक झूठ पर टिकी हुई थी।'

फरवरी 2025 में तलाक फाइनल होने के बाद संयुक्ता ने सोशल मीडिया पर ' पोस्ट-डिवोर्स ग्लो' वाली तस्वीर शेयर की, जिसमें उन्होंने लिखा – '2025 में कागजी कार्रवाई पूरी हो गई। अब और मजबूत हूं।' इस घटना ने उन्हें भावनात्मक रूप से तोड़ दिया, लेकिन उन्होंने बेटे रेयान की परवरिश पर फोकस किया और करियर को नई दिशा दी। तलाक के नौ महीने बाद ही अनिरुद्ध से शादी ने उनकी जिंदगी में नई शुरूआत की है।

संयुक्ता का पारिवारिक और व्यक्तिगत बैकग्राउंड

संयुक्ता का परिवार मलयाली मूल का है, लेकिन वे तमिलनाडु में बसे हुए हैं। उनके पिता शनमुगनाथन नायर एक बिजनेसमैन हैं, जबकि मां प्रतीभा नायर गृहिणी। उनके एक बड़े भाई हैं, जिनके बारे में ज्यादा सार्वजनिक जानकारी नहीं है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

तीन ट्रेनों का दिसंबर 2025 से वडोदरा मंडल के स्टेशनो पर अतिरिक्त ठहराव

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं मांग को ध्यान में रखते हुए वडोदरा मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर तीन ट्रेनों को अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है।

पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी श्री अनुभव सक्सेना द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैं:

1. 10 दिसंबर, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19019 बांद्रा टर्मिनस–हरिद्वार एक्सप्रेस चांपानेर रोड और खरसालिया स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन का चांपानेर रोड स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान 07:18 बजे/07:19 बजे तथा खरसालिया स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान 07:48 बजे/07:49 बजे होगा। इसी तरह, 10 दिसंबर, 2025 को हरिद्वार से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19020 हरिद्वार–बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस खरसालिया और चांपानेर रोड स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन खरसालिया स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान 13:01 बजे/13:02 बजे तथा खरसालिया स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान 13:20 बजे/13:21 बजे होगा।

2. 01 दिसंबर, 2025 को अहमदाबाद से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19418 अहमदाबाद–बोरीवली एक्सप्रेस बाजवा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 02:27 बजे बाजवा स्टेशन पहुंचेगी और 02:29 बजे प्रस्थान करेगी।

ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे द्वारा तीन जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्तारित

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से 03 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्तारित किए गए हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

ट्रेन संख्या 09007/09008 वलसाड – खातीपुरा (साप्ताहिक) स्पेशल

ट्रेन संख्या 09007 वलसाड – खातीपुरा स्पेशल के फेरों को 25 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09008 खातीपुरा – वलसाड स्पेशल के फेरों को 26 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09575/09576 राजकोट – महबूबनगर (साप्ताहिक) स्पेशल

ट्रेन संख्या 09575 राजकोट – महबूबनगर स्पेशल के फेरों को 29 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09576 महबूबनगर – राजकोट स्पेशल के फेरों को 30 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09520/09519 ओखा – मदुरै (साप्ताहिक) स्पेशल

ट्रेन संख्या 09520 ओखा – मदुरै स्पेशल के फेरों को 29 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09519 मदुरै – ओखा स्पेशल के फेरों को 02 जनवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09007, 09575 एवं 09520 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 29 नवम्बर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

'एक राष्ट्र, एक कर' ने देश भर में कर ढांचे को सरल और अधिक पारदर्शी बना दिया है: लोक सभा अध्यक्ष

सिविल सेवाओं में महिला अधिकारियों की बढ़ती संख्या भारत के विकास और आकांक्षाओं को दशार्ती है: लोक सभा अध्यक्ष

लोक सभा अध्यक्ष ने संसद भवन परिसर में भारतीय राजस्व सेवा (सी एंड आईटी) के 76वें बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों (ओटी) को संबोधित किया

(जीएनएस)।

लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज कहा कि "एक राष्ट्र, एक कर" तथा जीएसटी ढांचे के साथ-साथ प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों में सुधारों ने देश के कर ढांचे को सरल और अधिक पारदर्शी बना दिया है, जिससे भारत के विकास और समृद्धि में योगदान मिल है। उन्होंने कहा कि इस पारदर्शी व्यवस्था को बनाए रखने और इसे मजबूती प्रदान करने की जिम्मेदारी राजस्व सेवा के अधिकारियों की है।

श्री बिरला ने भारतीय राजस्व सेवा (सी एंड आईटी) के 76वें बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की, जो संसद भवन परिसर में संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा आयोजित संसदीय पद्धतियों और प्रक्रियाओं के संबंध में आयोजित एक परिबोधन कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं।

विभिन्न केन्द्रीय और अखिल भारतीय सेवाओं में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए श्री बिरला ने कहा कि महिला अधिकारियों की बढ़ती संख्या भारत के विकास और आकांक्षाओं को दशार्ती है।

श्री बिरला ने आज के युवाओं के तकनीकी कौशल और तकनीकी ज्ञान की भी प्रशंसा की, जो राष्ट्र निर्माण के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और नवाचार का लाभ उठाने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवा प्रशिक्षु अधिकारियों का साहसिक, आत्मविश्वास से युक्त और नया दृष्टिकोण भारत को वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर करने में सहायक होगा। उन्होंने आगे कहा कि युवा प्रशिक्षु अधिकारियों का योगदान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित "विकसित भारत" के लक्ष्य को सार्थक रूप से साकार करने में सहायक होगा।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि भारत की संसद देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया और नीति-निर्माण का केंद्र है। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले वर्षों में भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के अधिकारीगण भारत की आर्थिक मजबूती के प्रमुख स्तंभ बनेंगे।

श्री बिरला ने कहा कि आईआरएस अधिकारी न केवल कर संग्रह करते हैं, बल्कि ईमानदार करदाताओं का सम्मान करने, व्यापार को सुगम बनाने, अवैध व्यापार और धन शोधन को रोकने और वित्तीय अनुशासन बनाए रखने में भी प्रमुख भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने इस बात को दोहराया कि सरकार का लक्ष्य कर प्रणाली को सरल और सुगम बनाना है ताकि नागरिक राष्ट्र के विकास और समृद्धि से जुड़ाव महसूस करें। इस संबंध में, सरकार का बृहत्तर लक्ष्य पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना और ऐसी व्यवस्था स्थापित करना है जहाँ करों की वसूली पूर्णतः कानून के अनुसार हो। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

श्री बिरला ने कहा कि डिजिटल कर प्रणाली, एआई-आधारित मूल्यांकन एवं डेटा विश्लेषण जैसे आधुनिक उपकरण कराधान में पारदर्शिता और निष्पक्षता को और बढ़ाते हैं। उन्होंने युवा प्रशिक्षु अधिकारियों से अपनी कड़ी मेहनत, क्षमता और नवाचार के माध्यम से योगदान देने का आ'ान किया। उन्होंने अधिकारियों को कराधान संबंधी कानूनों, संसदीय वाद-विवादों और हाल के कानूनों का गहन अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि वे कानून की मूल भावना को समझ सकें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि युवा आईआरएस अधिकारियों का यह समूह अपनी लगन, क्षमता और तकनीकी विशेषज्ञता से भारत के कर प्रशासन को और मजबूत करेगा तथा देश की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

आईआरएस-सी एंड आईटी के 76वें बैच में 79 प्रशिक्षु अधिकारी शामिल हैं, जिनमें 5 भूटान से हैं। इस बैच में 40% महिलाएँ हैं; 32% प्रशिक्षु अधिकारी ग्रामीण पृष्ठभूमि से हैं। बैच की औसत आयु 28 वर्ष है, और 51 प्रशिक्षु अधिकारी के पास पूर्व कार्य अनुभव है।

इस अवसर पर लोक सभा के महासचिव श्री उत्पल कुमार सिंह ने स्वागत भाषण दिया।

धर्मेंद्र की प्रार्थना सभा में भावुक हुए सनी, बॉबी देओल, अभिषेक-ऐश्वर्या साथ आए नजर

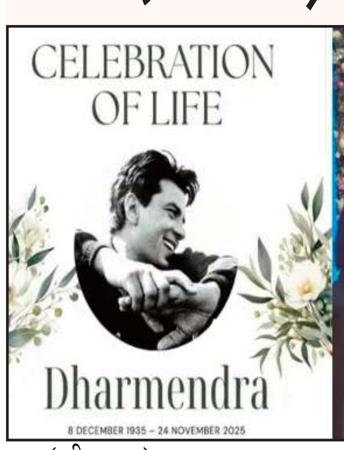

(जीएनएस)।

अभिनेता धर्मेंद्र देओल के निधन के बाद 27 नवंबर 2025 को मुंबई के एक आलीशान होटल में प्रार्थना सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर देओल परिवार के अलावा बॉलीवुड की कई जानी-मानी हस्तियां श्रद्धांजलि देने पहुंचीं। प्रार्थना सभा में बेटे सनी देओल, बॉली देओल बेहद भावुक नजर आए। वहीं सलमान खान जिन्हें धर्मेंद्र अपने तीसरे बेटे मानते थे वो काफी उदास दिखे।

धर्मेंद्र की प्रार्थना सभा में एक्ट्रेस रेखा, शाहरुख खान, आर्यन खान, सलमान खान, अभिषेक बच्चन, ऐश्वर्या राय, टाइगर श्रॉफ, मलाइका अरोड़ा, सिद्धार्थ मल्होत्रा, सोनू सूद, रणदीप हुड्डा, मुकेश खन्ना, सोहा अली खान, सिद्धार्थ मल्होत्रा, नेहा धूपिया, अंगद बेदी और जैकी श्रॉफ जैसे सितारे शामिल थे। गायक सोनू निगम ने भी धर्मेंद्र के कुछ प्रतिष्ठित और प्रिय गीत गाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र का 24 नवंबर को 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं के कारण उन्हें दक्षिण मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया था, लेकिन सांस लेने में तकलीफ के चलते उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था। सुधार के संकेत मिलने के बावजूद, उन्होंने 24 नवंबर को अंतिम सांस ली।

अभिषेक-ऐश्वर्या साथ आए नजर

धर्मेंद्र की प्रार्थना सभा में ऐश्वर्या राय और उनके पति अभिषेक बच्चन भी पहुंचे थे। दोनों के बीच संबंबधों में खटास और बढ़ी दूरियों की खबरों के बीच ये ऐसा मौका था जब दोनों एक साथ एक जगह पर नजर आए। करण जौहर भी प्रार्थना सभा में पहुंचे और परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। इससे पहले, करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर धर्मेंद्र को याद करते हुए इसे "एक युग का अंत" बताया था। रणदीप हुड्डा, सलमान खान और सोनाक्षी सिन्हा अपने पति जहीर इकबाल के साथ श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे।

धर्मेंद्र के अंतिम संस्कार में अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान और सलमान खान सहित कई बॉलीवुड हस्तियां शामिल हुई थीं। प्रार्थना सभा में भी सितारों का तांता लगा रहा। सनी देओल और बॉबी देओल को अपने पिता की प्रार्थना सभा में आए मेहमानों का हाथ जोड़कर अभिवादन करते देखा गया। उनकी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर भी सामने आई, जिसमें दोनों भाई भावुक नजर आ रहे थे।

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी की अध्यक्षता और मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में गुजरात की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के संदर्भ में समीक्षा बैठक हुई

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी :-

- सड़कों की उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने अधिकारियों और ठेकेदारों को स्पष्ट निर्देश
- सड़कों के निर्माण और रिसर्फेसिंग में नागरिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें
- राज्य में राजमार्गों पर यातायात के 35 फीसदी से अधिक भार के मद्देनजर एनएचएआई द्वारा राजमार्गों की समुचित मरम्मत और आवश्यकता पड़ने पर विस्तारीकरण के कार्य जारी रहने चाहिए : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल
- मुख्यमंत्री ने अहमदाबाद-मुंबई, राजकोट-गोंडल-जेतपुर और अहमदाबाद-उदयपुर हाईवे के प्रगतिरत कार्यों को तेजी से पूरा करने के मुद्दे पर चर्चा की
- मुख्यमंत्री द्वारा उठाए गए मुद्दों पर त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री ने गुजरात में एनएचएआई के हाईवे सहित अन्य परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार की ओर से 20 हजार करोड़ रुपए स्वीकृत करने का आश्वासन दिया

(जीएनएस)।

गांधीनगर, 27 नवंबर : केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी और गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में गांधीनगर में गुजरात में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के अंतर्गत संपन्न एवं प्रगतिरत कार्यों की विस्तृत समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय बैठक हुई।

केंद्रीय मंत्री ने इस बैठक में अधिकारियों और ठेकेदारों से साफ-साफ कहा कि यह अत्यावश्यक है कि सड़कों की गुणवत्ता उच्च स्तर की हो तथा नागरिकों की सुविधा एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण और रिसर्फेसिंग के कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इतना ही नहीं, यदि निर्धारित समयसीमा में सड़क निर्माण के सभी कार्य पूरे नहीं हुए और लापरवाही पाई गई, तो ठेकेदार को ब्लेकलिस्ट करने तक के कठोर कदम भी उठाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने इस बैठक की चचाओं के दौरान केंद्रीय मंत्री से अनुरोध किया कि राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात का भार 35 फीसदी से अधिक रहता है, इस संदर्भ में एनएचएआई को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इन राजमार्गों की समुचित मरम्मत होती रहे और आवश्यकता पड़ने पर विस्तारीकरण के कार्य भी जारी रहें।

उन्होंने विशेष रूप से, अहमदाबाद-मुंबई, राजकोट-गोंडल-जेतपुर और अहमदाबाद-उदयपुर, तीनों राष्ट्रीय राजमार्गों के प्रगतिरत कार्यों को तेजी से पूरा करने की दिशा में भी केंद्रीय मंत्री का ध्यान आकृष्ट किया।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल द्वारा केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखे गए मुद्दों पर त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए श्री नितिन गडकरी ने केंद्र सरकार की ओर से गुजरात में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के तहत हाईवे सहित अन्य परियोजनाओं के लिए 20 हजार करोड़ रुपए स्वीकृत करने का आश्वासन इस बैठक में दिया।

इस बैठक में एनएचएआई की ओर से गुजरात में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना के अंतर्गत अब तक हुए कार्यों और आगामी समय में एनएचएआई और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की ओर से शुरू की जाने वाली विभिन्न परियोजनाओं के बारे में भी प्रेजेंटेशन दिया गया। साथ ही, गुजरात में स्थित विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्गों की मौजूदा स्थिति, सड़कों के कार्य कब तक पूरे होने चाहिए थे और अभी जो कार्य बाकी रह गए हैं उन्हें कब तक पूरा कर लिया जाएगा, इन सभी विषयों पर गहन चर्चा की गई।

मुख्य सचिव श्री एम.के. दास ने गुजरात सरकार द्वारा हाईवे और सड़कों के प्रगतिरत कार्यों और केंद्र सरकार के साथ समन्वय की जानकारी दी।

समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार डॉ. हसमुख अढिया और सलाहकार श्री एस.एस. राठौर, अपर मुख्य सचिवों और प्रधान सचिवों के साथ-साथ मुख्यमंत्री की अपर प्रधान सचिव श्रीमती अवंतिका सिंह, सचिव डॉ. विक्रांत पांडे और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय और गुजरात सरकार के सड़क विभाग के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग डिविजन सहित संबद्ध विभागों के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

आईएएस अनुष्का शर्मा कौन हैं? बिना कोचिंग क्रैक किया यूपीएससी, अब सीएम योगी ने दी बड़ी जिम्मेदारी

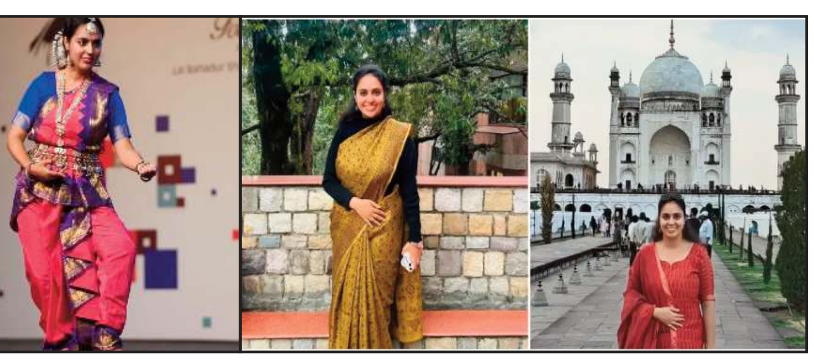

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश सरकार में एक नई सितारा उभर रही हैं – आईएएस अनुष्का शर्मा। 26 नवंबर 2025 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें प्रतापगढ़ जिले में संयुक्त मजिस्ट्रेट (जेएम) की अहम जिम्मेदारी सौंपी है। यह नियुक्ति हाल के आईएएस तबादलों के तहत की गई है, जहां अनुष्का को जिले के प्रशासनिक मामलों, विकास योजनाओं और कानून-व्यवस्था की कमान संभालने का दायित्व दिया गया।

मध्य प्रदेश के इंदौर की रहने वाली यह युवा अधिकारी न सिर्फ अपनी मेहनत से यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा (वढरउ उरए 2022) में अखिल भारतीय रैंक (अक्क) 20 हासिल करने वाली हैं, बल्कि बिना किसी कोचिंग के सफलता पाने वाली प्रेरणा स्रोत भी। 23 मई 2023 को घोषित परिणामों ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बटोरने का मौका दिया। आइए, जानते हैं उनकी पूरी सफलता की कहानी...

अनुष्का शर्मा का जन्म राजस्थान के जयपुर में एक साधारण परिवार में हुआ। उनके पिता सुनील शर्मा एक बैंक अधिकारी हैं, जिनका तबादला होता रहता था, जिससे परिवार को मुंबई, चंडीगढ़ और इंदौर जैसे शहरों में शिफ्ट होना पड़ा। इस घुमक्कड़ी ने अनुष्का को अनुकूलन की कला सिखाई। उन्होंने अपनी 10वीं कक्षा मुंबई से पूरी की, फिर दो साल चंडीगढ़ में पढ़ाई की। उच्च शिक्षा के लिए वे न्यूयॉर्क चली गईं, जहां सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क से अर्थशास्त्र में स्नातक की डिग्री हासिल की।

इंदौर में बस गए परिवार के साथ अनुष्का का मन हमेशा से भारत की विकास यात्रा से जुड़ना चाहता था। उनकी मां गृहिणी हैं, जो घर का मजबूत आधार रहीं। लेकिन सबसे बड़ी प्रेरणा बनीं उनकी चचेरी बहन हिमानी शर्मा, जो खुद एक आईएएस अधिकारी हैं। अनुष्का बताती हैं, 'हिमानी दीदी मेरी आइडल हैं। उन्होंने मुझे न सिर्फ सलाह दी, बल्कि तैयारी के दौरान किताबें और रणनीति साझा कीं।' यह पारिवारिक समर्थन ही था, जिसने अनुष्का को विदेश से लौटकर वढरउ का सफर शुरू करने का हौसला दिया।

UPSC की तैयारी अनुष्का के लिए कोई आसान रास्ता नहीं था। पिछले तीन साल से जुटे रहने के बाद तीसरे प्रयास में ही उन्हें सफलता मिली। पहले प्रयास में वे प्रीलिम्स क्लियर भी नहीं कर पाईं, जबकि दूसरे में इंटरव्यू तक पहुंचीं, लेकिन फाइनल लिस्ट से चूक गईं। हार मानना उनकी फितरत में नहीं था। उन्होंने कहा, 'मैं दृढ़ थी। असफलताओं से सीखा और आगे बढ़ी।'

सबसे खास बात – अनुष्का ने किसी कोचिंग इंस्टीट्यूट का सहारा नहीं लिया। पूरी तैयारी सेल्फ-स्टडी पर आधारित थी। उन्होंने टॉपर्स के इंटरव्यू से किताबों की लिस्ट बनाई, खासकर अर्थशास्त्र को वैकल्पिक विषय चुना क्योंकि यह उनकी ग्रेजुएशन बैकग्राउंड से मेल खाता था। भूगोल और इतिहास जैसे विषयों के लिए संक्षिप्त नोट्स तैयार किए, जिन्हें नियमित दोहराती रहीं।

सीएम योगी का भरोसा, प्रतापगढ़ में नई शुरूआत

UPSC 2022 (जिसके परिणाम 2023 में आए) के बाद अनुष्का को उत्तर प्रदेश कैडर आवंटित हुआ। हाल के तबादलों में सीएम योगी आदित्यनाथ ने उन्हें प्रतापगढ़ जिले में संयुक्त मजिस्ट्रेट बनाया। यहां उनकी भूमिका जिले के प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने, विकास परियोजनाओं को गति देने और जनता की समस्याओं का समाधान करने की होगी। प्रतापगढ़, जो प्रयागराज मंडल का हिस्सा है, अपनी सांस्कृतिक विरासत और कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था के लिए जाना जाता है। अनुष्का की नियुक्ति से स्थानीय स्तर पर उत्साह है, क्योंकि उनकी युवा ऊर्जा और विदेशी एक्सपोजर जिले को नई दिशा दे सकता है।

अनुष्का कहती हैं, 'मैं भारत की विकास कहानी का हिस्सा बनना चाहती हूं। यह पोस्टिंग मेरे लिए चुनौती और अवसर दोनों है।' उनके आने से जिले में महिला सशक्तिकरण, शिक्षा और स्वास्थ्य योजनाओं पर विशेष फोकस की उम्मीद है।

शौक और बैलेंसः संगीत, डांस से तरोताजा होतीं अनुष्का

UPSC की कठिन तैयारी के बीच अनुष्का ने खुद को मेंटली फिट रखने के लिए शौक अपनाए। उन्हें संगीत का शौक है – ब्रेक के दौरान वे क्लासिकल या लाइट म्यूजिक सुनतीं। डांस उनकी दूसरी सांस है। तैयारी के दौरान भी वे नियमित डांस और एक्सरसाइज करती रहीं। 'ये चीजें मेरे दिमाग को रिफ्रेश करती थीं,' वे बताती हैं। योग और मेडिटेशन भी उनकी रूटीन का हिस्सा रहे। यह बैलेंस ही उनकी सफलता का राज है – पढ़ाई के साथ जीवन का आनंद।

अनुष्का शर्मा प्रोफाइल एक नजर में

नामः अनुष्का शर्मा

यूपीएससी रैंकः AIR 20 (UPSC CSE 2022)

कैडरः उत्तर प्रदेश

वर्तमान पदः संयुक्त मजिस्ट्रेट, प्रतापगढ़ (UP)

जन्मस्थानः राजस्थान (परिवार अब इंदौर, मध्य प्रदेश में)

शिक्षाः अर्थशास्त्र में ग्रेजुएशन – सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क (अमेरिका)

तैयारी का तरीकाः पूरी तरह सेल्फ-स्टडी, बिना कोचिंग

प्रयासः तीसरा (पहले दो असफल)

तैयारी का समयः अक्टूबर 2019 से अप्रैल 2023 तक (लगभग 3.5 साल)

अनुष्का की पढ़ाई की स्ट्रैटेजी क्या थी?

रोज 8-10 घंटे पढ़ाई, प्रीलिम्स और मेन्स के करीब 13-14 घंटे

सोशल मीडिया और फालतू चीजों से पूरी तरह दूरी

टॉपर्स के नोट्स और सुझाई गई किताबों से ही पढ़ाई

कांसिस्टेंट रिवीजन - "हर टॉपिक को बार-बार दोहराती थी ताकि कॉन्सेप्ट्स क्लियर हों"

मॉक टेस्ट और पिछले साल के पेपर खूब प्रैक्टिस किए

इंटरव्यू के लिए सिर्फ 8-10 घंटे ही काफी समझा

अनुष्का को मोटिवेशन कहां से मिला?

अनुष्का बताती हैं, 'मेरे परिवार में बैंकिंग सेक्टर में कई लोग हैं। वे गवर्नमेंट सेक्टर में देश की ग्रोथ में योगदान देते हैं, उनको देखकर मुझे लगा कि मुझे भी कुछ करना चाहिए। मैं इंडिया की ग्रोथ स्टोरी में कंट्रीब्यूट करना चाहती हूं, इसलिए सिविल सर्विसेज चुना।'

बचपन का सपना नहीं था। 10वीं क्लास में सोशल साइंस की टीचर ने पहली बार कहा था कि मुझे इस फील्ड के बारे में सोचना चाहिए। ग्रेजुएशन पूरा करने के बाद यूनाइटेड नेशंस में 3 महीने की इंटर्नशिप की। वहां देखा कि पब्लिक पॉलिसी और इनक्लूसिव ग्रोथ कैसे काम करती है। उसी ने मुझे सिविल सर्विस की ओर खींचा।

प्रेरणा की मिसालः लाखों युवाओं के लिए संदेश

अनुष्का शर्मा की कहानी उन लाखों वढरउ एस्पिरेंट्स के लिए प्रेरणा है, जो कोचिंग के बिना सफल होना चाहते हैं। इंदौर से निकलकर अक्क20 हासिल करना और अब वढ के प्रतापगढ़ में जिम्मेदारी संभालना – यह साबित करता है कि दृढ़ इच्छाशक्ति और स्मार्ट प्लानिंग से कुछ भी संभव है। चचेरी बहन हिमानी की तरह, अनुष्का भी अब दूसरों को प्रेरित कर रही हैं। फैंस और साथी अधिकारी उन्हें सोशल मीडिया पर बधाई दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री 29-30 नवंबर को रायपुर में पुलिस महानिदेशकों/महानिरीक्षकों के 60वें अखिल भारतीय सम्मेलन में भाग लेंगे

सम्मेलन का विषय: 'विकसित भारत: सुरक्षा आयाम'

सम्मेलन में अब तक की प्रमुख पुलिस चुनौतियों से निपटने में हुई प्रगति की समीक्षा की जाएगी और 'सुरक्षित भारत' के निर्माण के लिए एक दूरदर्शी रोडमैप तैयार की जाएगी

वामपंथी उग्रवाद, आतंकवाद का मुकाबला, आपदा प्रबंधन, महिला सुरक्षा और पुलिसिंग में फोरेंसिक विज्ञान तथा एआई के उपयोग जैसे मुद्दों पर प्रमुखता से चर्चा की जाएगी

प्रधानमंत्री विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक भी प्रदान करेंगे

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री 29-30 नवंबर, 2025 को भारतीय प्रबंधन संस्थान, रायपुर, छत्तीसगढ़ में पुलिस महानिदेशकों/महानिरीक्षकों के अखिल भारतीय सम्मेलन के 60वें संस्करण में भाग लेंगे।

यह सम्मेलन 28 से 30 नवंबर तक चलेगा। इसका उद्देश्य अब तक प्रमुख पुलिस चुनौतियों से निपटने में हुई प्रगति की समीक्षा करना और 'विकसित भारत' के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप 'सुरक्षित भारत' के निर्माण के लिए एक दूरदर्शी रोडमैप की रूपरेखा तैयार करना है।

'विकसित भारतः सुरक्षा आयाम' विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में वामपंथी उग्रवाद, आतंकवाद निरोध, आपदा प्रबंधन, महिला सुरक्षा और पुलिस व्यवस्था में फोरेंसिक विज्ञान एवं एआई के उपयोग जैसे प्रमुख सुरक्षा मुद्दों पर विस्तृत चर्चा होगी। प्रधानमंत्री विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक भी प्रदान करेंगे।

यह सम्मेलन देश भर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और सुरक्षा प्रशासकों को राष्ट्रीय सुरक्षा के विविध मुद्दों पर खुले और सार्थक विचार-विमर्श के लिए एक महत्वपूर्ण संवादात्मक मंच प्रदान करता है। यह पुलिस बलों के सामने आने वाली परिचालन, अवसंरचनात्मक और कल्याण संबंधी चुनौतियों पर चर्चा के साथ-साथ अपराध से निपटने, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आंतरिक सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए पेशेवर प्रथाओं के निर्माण और साझाकरण को भी सुगम बनाता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस वार्षिक सम्मेलन में निरंतर गहरी रुचि दिखाई है, और स्पष्ट चचाओं को प्रोत्साहित किया है। उन्होंने एक ऐसा माहौल तैयार किया है जहां पुलिस व्यवस्था पर नए विचार उभर सकें। व्यावसायिक सत्र, विस्तृत बातचीत और विषयगत चर्चाएं प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण आंतरिक सुरक्षा और नीतिगत मामलों पर सीधे प्रधानमंत्री के साथ अपने विचार साझा करने का अवसर प्रदान करती हैं।

वर्ष 2014 से प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में इस सम्मेलन के स्वरूप में निरंतर सुधार हुआ है, जिसमें देश भर के विभिन्न स्थानों पर इसका आयोजन भी शामिल है।

लखनऊ में लुलु ब्यूटी फेस्ट 2025 का भव्य शुभारम्भ किया गया

एलआर

लखनऊ लुलु हाइपरमार्केट लखनऊ में लुलु ब्यूटी फेस्ट 2025 का भव्य शुभारम्भ अत्यंत उत्साहपूर्ण माहौल के बीच हो चुका है। इसका शुभारम्भ लखनऊ की फेमस मेकअप आर्टिस्ट हिमाद्री वर्मा जी ने किया। आरम्भ हुआ यह विशेष सौंदर्य उत्सव अपने पहले ही दिन से शहर के ग्राहकों, सौंदर्य प्रेमियों और फैशन के शौकीनों को आकर्षित कर रहा है। फियामा और एंगेज द्वारा प्रस्तुत यह उत्सव सौंदर्य जगत के नवीनतम रुझानों, उत्पादों और अनुभवों को एक ही छत के नीचे लाने का उत्कृष्ट प्रयास है उत्सव में इस वर्ष कई प्रमुख और विश्वसनीय सौंदर्य एवं पर्सनल केयर ब्रांड अपनी विस्तृत उत्पाद श्रृंखला के साथ शामिल हुए हैं। इनमें फियामा, एंगेज, यार्डले, ल्लिूल्लइ४१, विवेल, पॉन्ड्स, ट्रेसमे, द डर्मा, गार्नियर, लोरियल पेरिस, निविया, पेरिस कॉर्नर, जोवीस हर्बल और वॉव जैसे लोकप्रिय नाम प्रमुख हैं। उत्सव की शुरुआत के साथ ही इन ब्रांडों के नवीनतम उत्पाद, विशेष ऑफर और आकर्षक प्रस्तुतियाँ ग्राहकों की पहली पसंद बन गई हैं, जिससे उत्सव में लगातार भीड़ बढ़ रही है।26 नवंबर को आरम्भ हुआ ये फेस्ट 7 दिसंबर तक चलेगा जिसमे ग्राहको को उचित दामों पर ब्रांडेड ब्यूटी प्रोडक्ट के साथ - साथ कस्टमर इंगेजमेंट एक्टिविटीज में विभिन्न प्रकार के गिफ्ट वाउचर जितने का अवसर भी प्राप्त होगा इस मौके पर श्री नोमान अजीज खान रीजनल डायरेक्टर उत्तर प्रदेश, दिल्ली, तेलंगना और श्री सुनील कुमार शर्मा जनरल मैनेजर लुलु हायपरमार्केट के साथ सभी वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे

विशेष प्रगाढ़ मतदाता पुनरीक्षण में टॉप 8 बीएलओ सम्मानित

– DM ज्ञानेंद्र सिंह ने फूलमाला व प्रशस्ति पत्र देकर किया पुरस्कृत, 56% काम पूरा, 1522 BLO तैनात

(जीएनएस)।

पीलीभीत जिले में लोकतंत्र को मजबूत करने वाले विशेष प्रगाढ़ मतदाता पुनरीक्षण अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 8 बूथ लेवल ऑफिसर (BLO) को जिला निर्वाचन अधिकारी व ऊट ज्ञानेंद्र सिंह ने गंधी सभागार में सम्मानित किया। शत-प्रतिशत काम पूरा करने वालों को फूलमाला व प्रशस्ति पत्र देकर सराहा। ऊट बोले, "मतदाता सूची अपडेट लोकतंत्र की रीढ़, सभी BLO शेष काम तेज करें।"

सम्मानित BLO:

विधानसभा 127 पीलीभीत:राहुल राठी, यशपाल

विधानसभा 128 बरखेड़ा:सचिन कुमार कठेरिया, नरेश चंद्र

विधानसभा 129 पूरनपुर:अमानत रसूल, रामसनेही

विधानसभा 130 बीसलपुर: मीनू गोस्वामी, सूरजपाल

अपर ऊएड प्रसून द्विवेदी ने बताया, "जिले में 56% पुनरीक्षण पूरा, 957 केंद्रों पर 1522 इछड व 52 अधिकारी तैनात।" अभियान से मतदाता सूची सटीक बनेगी।

गौहनिया तालाब: अर्टिगा कार बेकाबू होकर डूबी

ड्राइवर शिवम फंसा – नाविक दिनेश ने जान जोखिम में डालकर बचाया

(जीएनएस)।

पीलीभीत गौहनिया तालाब:शहर कोतवाली क्षेत्र में हृदयविदारक हादसा। सुनगढ़ी मोहल्ला निवासी शुभम तिवारी उर्फ शिवम (25) गुरुवार सुबह 10 बजे अर्टिगा कार से लिंक रोड से टनकपुर हाईवे जा रहे थे। कांशीराम बारातघर के पास कार बेकाबू होकर गौहनिया तालाब में उतर गई। शीशे बंद, गेट लॉक - पानी भरते ही शिवम छटपटाने लगा। 15 मिनट तक कोशिश, लेकिन बेहोश। भीड़ जुट गई, लेकिन गहरा तालाब देख डर। तभी नाविक दिनेश नाव लेकर कूदा, पतवार चलाकर कार पहुंचा। खिड़की तोड़ी, शिवम खींचा - बीच में नाव पलटी, लेकिन दिनेश ने डूबते हुए सतह पर लाया। एक और युवक ने छलांग लगाई, दोनों ने मिलकर बाहर निकाला। CPR से होश लौटा, अस्पताल रेफर। शिवम राइस मिल कर्मचारी, नशे की लत - तालाब 'सुसाइड वाला' मशहूर, पहले कई हादसे। ग्रामीण बोले, "सुरक्षा दीवार व बोर्ड लगाओ।"

शहर कोतवाल सत्येंद्र कुमार ने जांच की, प्रत्यक्षदर्शी पूछे। एसपी अभिषेक यादव ने सराहा - "दिनेश हीरो, अभियान चलेगा।" इलाके में सतर्कता।

मनरेगा मजदूर राजाराम पर वन्यजीव हमला

बाघ की आशंका – PTR सीमा से सटा गांव, गंभीर घायल अस्पताल पहुंचा, ग्रामीण दहशत में, वन टीम जांच में

(जीएनएस)।

पीलीभीत,पूरनपुर,कोतवाली क्षेत्र के गजरौला खास गांव में वन्यजीवों का आतंक। गुरुवार दोपहर 12:30 बजे मनरेगा काम निपटाकर लौट रहे राजाराम (45) शौच के लिए गन्ने के खेत में घुसे, तभी छिपे जानवर ने हमला कर दिया। पंजों व दांतों से गंभीर चोटें, चीखें सुन ग्रामीण दौड़े, परिजनों को खबर कर अस्पताल भेजा। डॉक्टर बोले, "स्थिति स्थिर, लेकिन खतरा।"

ग्रामीणों ने बाघ बताया - पीलीभीत टाइगर रिजर्व (PTR) सीमा से लगा गांव, दहशत। डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने कहा, "टीम मौके पर, निशान चेक। सतर्क रहें, हेल्पलाइन 1926।" राजाराम बोले, "जंगल से कूदा, भागा तो देखा नहीं।" इलाके में गश्त बढ़ी, पिछले हफ्ते तेंदुआ हमला।

दारागंज रेलवे स्टेशन के पास मिला अज्ञात शव, पुलिस जांच में जुटी

(जीएनएस)।

प्रयागराज के दारागंज रेलवे स्टेशन के पास गुरुवार, 27 नवंबर 2025 की सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। राहगीरों ने जैसे ही शव को देखा, तुरंत पुलिस को सूचना दी।

पुलिस के अनुसार मृतक की उम्र लगभग 55 वर्ष बताई जा रही है। मौके पर पहचान से संबंधित कोई दस्तावेज नहीं मिला। घटना की सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

शव मिलने के बाद आस-पास के रहने वालों से पूछताछ की जा रही है और पुलिस थाने एवं चौकी में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्टों से भी मृतक की पहचान का मिलान कराया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि मौत का वास्तविक कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट होगा। पुलिस ने जनता से अपील की है कि यदि किसी को मृतक की पहचान से संबंधित कोई जानकारी हो, तो तुरंत दारागंज पुलिस को सूचित करें। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

नीट परीक्षा में पास कराने और मेडिकल कॉलेज में दाखिला दिलाने वाले गिरोह का पदार्फाश

(जीएनएस)।

लखनऊ। साइबर क्राइम पुलिस ने मुख्य सरगना सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों ने छात्रों को ओएमआर शीट में सही उत्तर भरवाने और मैनेजमेंट कोटे से सीट दिलाने का झांसा देकर कई पीड़ितों से लाखों रुपये हड़पे। एक पीड़ित से 45 लाख रुपये और अन्य पीड़ितों से 20 लाख, 38 लाख और 23 लाख रुपये ठगे गए। गिरफ्तार आरोपियों के पास से पाँच लाख रुपये नकद, फर्जी दस्तावेज, और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई है। यह गिरोह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से कम मेरिट वाले ठएळ पास छात्रों का डेटा खरीदकर उन्हें निशाना बनाता था। आरोपियों के खिलाफ यूपी, दिल्ली, गुजरात और बिहार में धोखाधड़ी के 18 से अधिक मुकदमे पहले से दर्ज हैं। पुलिस इस गैंग के अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है।

वांछित अभियुक्त कुलविंदर सिंह गिरफ्तार

घटना वाली लोहे की कस्सी बरामद – SSP निर्देश पर अभियान, थाना अध्यक्ष ब्रजवीर सिंह की टीम ने शाहगढ़ तिराहे से धर दबोचा

(जीएनएस)।

पीलीभीत,अपराध रोकथाम अभियान ने कमाल दिखाया। थाना गजरौला पुलिस ने लंबे समय से फरार वांछित अभियुक्त कुलविंदर सिंह (पुत्र अरविंद सिंह उर्फ ध्यान सिंह, निवासी पिपरिया करम) को बुधवार सुबह शाहगढ़ तिराहे के पास गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से घटना में इस्तेमाल लोहे की कस्सी भी जब्त। आरोपी धारा 109 (जासूसी), 151(2) (शांतिभंग रोकथाम), 352 (मारपीट) व 351(3) (आपराधिक धमकी) के तहत वांछित था। थाना अध्यक्ष ब्रजवीर सिंह के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई की, कानूनी प्रक्रिया पूरी कर जेल भेजा।

ब्रजवीर सिंह ने बताया, "ररढ अभिषेक यादव के निर्देश पर गश्त तेज, कुलविंदर का सुराग मिला। कस्सी से पुराना केस कनेक्ट।" ररढ बोले, "अभियान जारी, वांछितों पर नजर।" इलाके में राहत, ग्रामीण बोले, "सुरक्षा मजबूत हुई।

बीएलएस इंटर कॉलेज, ठाकुरगंज, लखनऊ एनुअल स्पोर्ट्स फेस्ट 2025 एवं गोल्डन जुबिली सेलिब्रेशन का भव्य शुभारंभ

एलआर

लखनऊ। BLS इंटर कॉलेज, ठाकुरगंज में गुरुवार को चौक स्टेडियम में आयोजित एनुअल स्पोर्ट्स फेस्ट 2025 तथा गोल्डन जुबिली सेलिब्रेशन का शुभारंभ मुख्य अतिथि माननीय डॉ. दिनेश शर्मा (पूर्व उपमुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश एवं राज्यसभा सांसद) ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत परेड मार्च-पास्ट से हुई, जिसने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। चारों हाउस—Hope Blasters, Unity Warriors, Peace Royals और Love Challengers की आकर्षक परेड आज के समारोह का मुख्य आकर्षण रही। विद्यालय के संस्थापक स्व. गंगा प्रसाद साहू को याद करते हुए मंच ने दो मिनट का मौन रखा। वर्ष 1975 में स्थापित इस विद्यालय ने 50 वर्षों की उत्कृष्ट शैक्षणिक यात्रा तय की है और आज उसी स्वर्णिम सफर के उपलक्ष्य में Golden Jubilee Year मनाया जा रहा है। मुख्य अतिथि डॉ. दिनेश शर्मा ने विद्यार्थियों से भेंट की, कोच व मेंटर्स से संवाद किया और खेल को जीवन की शिक्षा बताते हुए कहा कि 'मैदान में सीखे गए संस्कार जीवन की हर परीक्षा में काम आते हैं। खेल मन, मस्तिष्क और आत्मविश्वास को नई उड़ान देते हैं।' विद्यालय के मैनेजर संदीप साहू ने कहा कि 'हमारे संस्थापक स्वर्गीय बड़े सर के सपने को आगे बढ़ाते हुए विद्यालय प्रत्येक छात्र को उत्तम शिक्षा, अनुशासन और खेल संस्कृति प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।' आज के दिन के दौरान दो रोमांचक क्रिकेट मैच खेले गए। पहले मुकाबले में Peace Royals और Love Challengers के बीच बेहतरीन संघर्ष देखने को मिला, वहीं दूसरे मैच में Hope Blasters ने शानदार प्रदर्शन करते हुए Unity Warriors को हराया। दोनों मैचों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को Man of the Match घोषित किया गया। कार्यक्रम में निर्देशक प्रदीप साहू,पार्षद अनुराग मिश्रा, पार्षद मनीष रस्तोगी, वरिष्ठ समाजसेवी शैलेश टंडन, शालु, संकेत मिश्रा,प्रधानाचार्य रवि किशोर, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, अभिभावक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पंसड़ी: युवक प्रदीप कुमार पर दबंगों ने गोली मार हत्या, पुलिस लापरवाही पर 3 अफसर निलंबित

(जीएनएस)।

पीलीभीत, 27 नवंबर थाना हजारा क्षेत्र के पंसड़ी गांव में मंगलवार शाम दबंगों ने युवक प्रदीप कुमार (22) की घर में घुसकर गोली मारकर हत्या कर दी। प्रदीप बरेली में जीएनएम कोर्स कर रहा था, पूजा के लिए गांव आया था। परिवार ने पुलिस पर लापरवाही का गंभीर आरोप लगाया - चचेरी बहन से छेड़छाड़ के मामले में 15 अप्रैल को मुकदमा दर्ज, लेकिन 7 माह तक आरोपी गिरफ्तार न हुए। धमकियां बताई तो हर बार आश्वासन, पिछली फायरिंग को पटाखा कहा। हत्या से हौसले बुलंद दबंगों ने वारदात की।

एसपी अभिषेक यादव ने तत्काल कार्रवाई की - थानाध्यक्ष दिगंबर सिंह, हल्का दरोगा अभिषेक यादव व बीट कांस्टेबल अखिलेश यादव को निलंबित। कंबोज नगर चौकी प्रभारी गौतम सिंह को दियोरिया थाने की कमान सौंपी। प्रदीप के पिता सुरेश चंद्र की तहरीर पर 8 के खिलाफ मुकदमा - घर में घुसकर हत्या (धारा 302, 452 IPC): मुरारी लाल, मेवाराम, बादशाह, राम औतार, अमन, शिवम, सूरज पाल व आशीष की मां। गौतम सिंह ने घटनास्थल चेक किया, परिवार को जल्द गिरफ्तारी का भरोसा। एसपी ने 6 टीमें लगाईं, अंतिम संस्कार से पहले पकड़ने के आदेश। परिवार बोला, "न्याय मिले !"

माघ मेले 2026 में श्रद्धालुओं को प्वाइंट टू प्वाइंट मोबिलिटी उपलब्ध कराने के मण्डलायुक्त ने दिए निर्देश

(जीएनएस)।

माघ मेला 2026 में आने वाले श्रद्धालुओं को मेला क्षेत्र पहुंचने हेतु कम से कम पदयात्रा करनी पड़े यह सुनिश्चित करने के दृष्टिगत मंडलायुक्त श्रीमती सौम्य अग्रवाल तथा पुलिस कमिश्नर श्री जोगिंदर सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में मेला प्राधिकरण कार्यालय स्थित आई ट्रिपल सी सभागार में पुलिस, परिवहन, मेला तथा जिला प्रशासन के सभी संबंधित अधिकारियों के साथ ट्रैफिक मूवमेंट प्लान की बैठक संपन्न हुई।

इसमें मेला अवधि में परिवहन विभाग द्वारा संचालित होने वाली बसों के रूट प्लान पर चर्चा करते हुए नवाचार के रूप में माघ मेले 2026 में श्रद्धालुओं को प्वाइंट टू प्वाइंट मोबिलिटी उपलब्ध कराने के निर्देश मण्डलायुक्त द्वारा दिए गए। इसके अंतर्गत श्रद्धालुओं को जनपद के विभिन्न पिकअप प्वाइंट से मेला क्षेत्र की निकटतम पार्किंग तक पहुंचाने हेतु टू व्हीलर्स की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी।

मेला प्रशासन टेंडर के माध्यम से ओला, ऊबर एवं रैपिडो जैसी कंपनियों को आबद्ध करते हुए उनसे किलोमीटर के आधार पर किराया चार्ट बनवाएगा। सभी आबद्ध ड्राइवर्स के लिए निर्धारित रूट पर ही टू व्हीलर चलाना तथा तय किराए संबंधित बनाये गये नियमों का अनुपालन करना अनिवार्य होगा। अनुपालन सख्ती से कराया जा सके इसके दृष्टिगत कम्पनियों को उनके द्वारा आबद्ध किए गए ड्राइवर्स की संख्या एवं विवरण प्रशासन को देना होगा। टू व्हीलर्स के रूट चार्ट बनाने हेतु पुलिस, परिवहन एवं रेलवे के अधिकारियों की समिति गठित की जाएगी। यह सुविधा 1 जनवरी 2026 से 15 फरवरी 2026 के बीच सिर्फ नॉन पीक डेज पर उपलब्ध रहेगी।

शटल बसेस के संबंध में परिवहन विभाग द्वारा बताया गया कि मेला अवधी के लिए 75 ईवी एवं 200 डीजल बसों की अतिरिक्त व्यवस्था की गई है। नॉन पीक डेस पर सिर्फ ईवी बसों को अथवा पीक डेस पर सभी बसों को चलाने की योजना है। संबंधित अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि भीड़ को देखते हुए बसों की संख्या बढ़ाई जाएगी। उन्होंने शहर के विभिन्न स्थानों को मेला क्षेत्र की निकटतम पार्किंग तक जोड़ने हेतु बनाये गये विभिन्न रूट प्लान के बारे में भी जानकारी दी जिस पर मण्डलायुक्त ने निर्देशित किया कि बसों को जी टी जवाहर एवं अन्य सेंसिटिव स्थानों पर जहां पर जाम लगने की संभावना अधिक है वहाँ पर न लाया जाए।

बैठक में जिलाधिकारी श्री मनीष वर्मा एडिशनल कमिश्नर पुलिस डॉ अजयपाल, मेला अधिकारी श्री ऋषिराज, नगर आयुक्त श्री सेलम साई तेजा तथा अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी भी उपस्थित रहे।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान एक दिवसीय पंजाब दौरे पर

(जीएनएस)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान आज एक दिवसीय पंजाब दौरे पर हैं। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने मोगा के रणसिंह कलां गांव के किसान भाई-बहनों,ग्रामवासियों और हितधारकों से मुलाकात कर विगत 6 वर्षों से पराली ना जलाने और पराली के उचित प्रबंधन में अभूतपर्व उपलब्धि के लिए सभी की सराहना की और बधाई दी।

मुख्य आयोजन के पहले केंद्रीय मंत्री ने मीडिया से भी बात की और बताया कि पराली जलाने की घटनाओं ने पूरे देश को चिंतित किया था। पराली जलने के कारण खेत तो साफ हो जाता था, लेकिन मित्र कीट भी जल जाते थे। साथ ही पराली जलाने से प्रदूषण की समस्या भी पैदा होती थी।'

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 'मैं आज पंजाब को बधाई देने आया हूं। पंजाब के पराली प्रबंधन के प्रयोग को सारे देश में ले जाने आया हूं। पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में इस साल 83 प्रतिशत की कमी आई है। जहां लगभग 83 हजार पराली जलाने की घटनाएं होती थी वह अब घटकर 5 हजार के करीब हो चुकी हैं।'

आगे, केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि 'किसान भाई-बहन पूछते हैं कि पराली ना जलाएं तो विकल्प क्या है? गेहूं और अन्य फसल की बुवाई के लिए खेत साफ कैसे करें? इन सवालों के समाधानों के लिए रणसिंह कलां गांव में प्रयोग हुए हैं। रणसिंह कलां गांव ने उदाहरण पेश किया है। यहां पिछले 6 वर्षों से पराली नहीं जलाई गई है, यहां किसान भाई-बहन सीधे पराली को खेत में मिलाते हैं और डायरेक्ट सीडिंग करते हैं।'

मुख्य कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि मैंने कुछ दिन पहले रणसिंह कलां गांव के बारे में पढ़ा। यहां पराली को बोझ नहीं माना गया, बल्कि इसे वरदान में बदल दिया गया। रणसिंह कलां गांव एक ऐसा उदाहरण है जो मांगने में नहीं बल्कि देने में विश्वास रखता है। उन्होंने कहा कि कृषि मंत्री होने के नाते वह किसानों और खेतों में जाकर सीधे किसानों से संवाद करना आवश्यक समझते हैं क्योंकि इसके बिना सही रूप से किसान कल्याण के लिए काम नहीं किया जा सकता।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पराली जलाने के बाद खेतों में पानी डालना पड़ता है उसके बाद खेत बुवाई के लिए तैयार किए जाते हैं वहीं रणसिंह कलां गावं की भांति प्रबंधन करने से हैप्पी सीडर से कटाई और खेतों में पराली मिला देने के बाद बिना पानी दिए डायरेक्टर सीडिंग की जा सकती है। इससे पानी और डीजल दोनों की बचत होती है। पराली में पोटाश होता है, जो खेतों में मिलकर उसे फायदा पहुंचाता है। खरपतवार नहीं होता। जमीन में नमी बनी रहती है। खेतों में पराली मिलाने से जैविक कार्बन बढ़ता है। खाद की आवश्यकता कम पड़ती है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि सरपंच ने जानकारी दी कि जहां पहले डीएपी डेढ़ गट्टे डालते थे वहीं अब एक डीएपी गट्टे की जरूरत पड़ती है वहीं 3 यूरिया गट्टे की जगह 2 गट्टे हीं खेत में मिलाने पड़ते हैं।